amarujala.com

देहरादून | बृहस्पतिवार, 29

उत्तराखंड में बनेंगी 169 पार्किंग 113 की डीपीआर हो गई तैयार

मसूरी के कैंपटी में बन रही प्रदेश की पहली टनल पार्किंग के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में जाम की समस्या का समाधान करने के लिए ए व बी श्रेणी की 169 पार्किंग बनेगी। इनमें से 113 स्थानों पर पार्किंग की डीपीआर तैयार हो गई है। मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु की बैठक में यह जानकारी अपर मुख्य सचिव आवास डॉ. आनंद बर्द्धन ने दी। मुख्य सचिव ने मसूरी के कैंपटी में बनाई जा रही है पहली टनल पार्किंग के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इसके लिए स्टेट बजट से फंडिंग की जाएगी।

बुधवार को सचिवालय में विभिन्न प्रकार की पार्किंग की प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को पार्किंग निर्माण तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन प्रदेश होने के कारण और लगातार पर्यटन गतिविधियों के बढ़ने से पर्यटकों की संख्या में तेजी से उछाल आया है। इससे प्रदेश के पर्वतीय पर्यटक स्थलों में पार्किंग की समस्या भी बढ़ी है। पर्यटन स्थलों में आवश्यकता के अनुरूप छोटी-छोटी एवं ज्यादा संख्या में पार्किंग बनाई जानी चाहिए। उनका सुझाव था कि प्रदेश के हित में सबसे किफायती पार्किंग रोडसाइड पार्किंग हैं, जिन्हें रोड से 100-200 मीटर नई सड़क काटकर या सड़क को थोड़ा अधिक चौड़ा करके तैयार किया जा सकता है। यदि इसके लिए जगह उपलब्ध न हो तो अन्य प्रकार की पार्किंग्स पर फोकस किए जाए।

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश में बनायी जा रही विभिन्न प्रकार की पार्किंग की प्रगति की समीक्षा की। -संवाद

अब हर 15 दिन में होगी निर्माण कार्यों की समीक्षा

मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन को पार्किंग निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा पाक्षिक रूप से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्किंग्स बनाते समय सुरक्षा के प्रबंधों में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। पार्किंग स्थलों के प्रवेश एवं निकासी स्थल पर डिजाइन में किसी प्रकार की खामियां न हों, जिससे पार्किंग शुरू होने के बाद वह स्थान जाम के लिए नया बॉटल नेक न बने।

पर्वतीय नगरों में टनल पार्किंग पर जोर : सीएस ने कहा, टनल पार्किंग पर्वतीय नगरों की जाम की समस्या से निजात दिला सकती है। पार्किंग में सुरक्षा, पैदल चलने वालों की सुविधा व डिजाईन पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए।

मोटे अनाजों को बढ़ावा

आयुर्वेद क्षेत्र में निवेश